

दिल्ली विधान सभा

समाचार भाग-1

॥कार्यवाही का संक्षिप्त अभिलेख॥

बृहस्पतिवार, 01 अप्रैल, 1999/चैत्र 11, 1921॥शक॥

संख्या-12

अपराह्न 2.00 बजे

सदन में अव्यवस्था

1. जैसे ही सदन समवेत हुआ, प्रो. जगदीश मुखी के नेतृत्व में विपक्ष के सदस्य अपने हाथों में कुछ समाचार-पत्रों की प्रतियां दिखाते हुए खड़े हो गये। उन्होंने कहा कि इन समाचार-पत्रों में मुख्य मंत्री द्वारा अपने जन्म दिन के अवसर पर केक काटते हुए फोटो दिखाई गई है और केक को राष्ट्रीय तिरंगे का रूप दिया गया है। उन्होंने मुख्य मंत्री से इस प्रकार राष्ट्रीय ध्वज के अपमान करने पर क्षमा याचना करने की मांग की।

माननीय अध्यक्ष ने व्यवस्था दी कि क्योंकि उन्होंने समाचार पत्र नहीं पढ़ा और न ही फोटोग्राफ देखा है, प्रो. जगदीश मुखी उन्हें समाचार पत्रों की कतरनों के साथ लिख कर दें, उसके बाद वे मुख्य मंत्री से इस संबंध में टिप्पणी मांगेंगे और उसके बाद ही इस विषय पर कुछ कहने की स्थिति में हो सकते हैं।

तथापि, विपक्ष के सदस्य मुख्य मंत्री से क्षमा याचना करने की मांग करते रहे।

नितम्बन

2. चूंकि श्री हर्षारण सिंह बल्ली अध्यक्ष महोदय के खड़े होने के बावजूद भी लगातार शोर मचाते रहे, अतः अध्यक्ष को उन्हें सदन से बाहर जाने के लिये कहने के लिये बाध्य होना पड़ा।

....2

अप. 2.18 बजे

**अध्यक्ष द्वारा घोषणा**

3. माननीय अध्यक्ष ने घोषणा की कि उपाध्यक्ष का निर्वाचन 7.4.1999 को होगा और नियम-9१2१ के अनुसार सदस्य इस संबंध में अपने प्रस्ताव सचिव को 6 अप्रैल, 1999 को दोपहर 12.00 बजे तक दे सकते हैं ।

**निलम्बन वापस लेना**

4. प्रो. जगदीश मुखी ने अध्यक्ष महोदय से अनुरोध किया कि श्री हर्षारण सिंह बल्ली का निलम्बन वापस ले लिया जाये । मुख्य मंत्री ने भी प्रो. मुखी से सहमत होते हुए निलम्बन वापस लेने का अनुरोध किया।
- माननीय अध्यक्ष ने टिप्पणी की कि चूंकि दोनों दलों के नेता सहमत है, अतः उन्हें सदस्य का निलम्बन वापस लेने में कोई आपत्ति नहीं है । तत्पश्चात्, श्री बल्ली ने सदन में अपना स्थान ग्रहण किया ।

अप. 2.21 बजे

**ताराकित प्रश्न**

5. ताराकित प्रश्न संख्या-121 से 128 एवं उनसे संबंधित पूरक प्रश्न पूछे गये एवं उनके मौखिक उत्तर दिये गये ।
- ताराकित प्रश्न संख्या- 129 से 140 के उत्तर सदन पटल पर रखे गये ।

**अताराकित प्रश्न**

6. अताराकित प्रश्न संख्या- 236 से 266 के उत्तर सदन पटल पर रखे गये ।

अप. 3.00 बजे

7. अध्यक्ष महोदय द्वारा अनुमति दिये जाने पर श्री शोएब इकबाल ने सदन का ध्यान स्वास्थ्य मंत्री की सिफारिशों के बावजूद अपोलो अस्पताल प्राधिकारियों द्वारा मरीजों से मनमाने तरीके से अत्यधिक धनराशि लिये जाने की ओर दिलाया ।

स्वास्थ्य मंत्री ने इस संबंध में एक वक्तव्य दिया ।

अप. 3.20 बजे

प्रस्ताव

8. श्री शीश पाल ने निम्नलिखित संकल्प प्रस्तुत किया :-

"कि यह सदन संकल्प करता है कि क्योंकि संसदीय सचिव का पद दिल्ली में परम्परागत स्थापित हो चुका है, अतः इस पद पर कार्यरत व्यक्ति उन सभी कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों का निर्वहन करे जो संसद और अन्य विधान सभाओं में ऐसे पदों पर नियुक्त व्यक्ति करते हैं ।"

निम्नलिखित सदस्यों ने प्रस्ताव पर अपने विचार व्यक्त किये :-

1. प्रो. जगदीश मुखी
2. श्री साहब सिंह चौहान
3. श्री दीप चन्द बन्धु
4. डा. हर्षवर्दन
5. श्री मुकेश शर्मा

माननीय मुख्य मंत्री ने भी चर्चा में भाग लिया ।

प्रस्ताव मतदान के लिये रखा गया और ध्वनिमत से स्वीकार किया गया ।

अप. 3.42 बजे

9. श्री मंगत राम सिंघल ने निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत किया :-

"कि यह सदन दिनांक 30.3.1999 को सदन में प्रस्तुत गैर सरकारी सदस्यों के विधेयकों एवं संकल्पों संबंधी समिति के दूसरे प्रतिवेदन से सहमत हैं ।"

प्रस्ताव मतदान के लिये रखा गया और स्वीकार किया गया ।

अप. 3.43 बजे

विशेष उल्लेख

10. निम्नलिखित सदस्यों ने नियम 287 के अंतर्गत मामले उठाये -

1. श्री नन्द किशोर गर्ग
2. श्री मुकेश शर्मा

§ मुख्य मंत्री ने मामले में हस्तक्षेप किया §



### संकल्प

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से श्री मुकेश शर्मा ने निम्नलिखित संकल्प प्रस्तुत किया :-

"कि केन्द्र सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत बेचे जा रहे गेहूं की कीमतों पर बढ़ाई गई दरों को तुरन्त वापस लें और राशन की दुकानों पर बेचे जाने वाले गेहूं की कीमतों को खुले बाजार में बिकने वाली कीमतों के अनुसार तय किया जाये तथा अक्टूबर में चीनी पर सब्सिडी बन्द न की जाये एवं प्रतिष्ठा कायम रखी जाये ।"

संकल्प मतदान के लिये रखा गया एवं स्वीकार किया गया।

इसके विरोध में श्री साहब सिंह चौहान ने सदन से बहिर्गमन किया।

### 4.30 बजे वित्तीय समितियों के लिये सदस्यों का निर्वाचन

11. माननीय अध्यक्ष ने सदन को सूचित किया कि तीन वित्तीय समितियों- लोक लेखा समिति, प्राक्कलन समिति एवं सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति, के निर्वाचन के लिये नाम वापस लेने का अंतिम समय समाप्त होने के पश्चात् इन तीनों समितियों के लिये केवल 7-7 नाम ही रह गये हैं । इसलिये अब चुनाव की आवश्यकता नहीं है क्योंकि वे निर्विरोध निर्वाचित मान लिये गये हैं । उन्होंने निर्वाचित सदस्यों के नाम भी पढ़कर सुनाये ।

### 4.33 बजे

### विशेष उत्तेस §जारी§

12. 3. श्री मोहन सिंह बिष्ट  
4. श्री सुशील चौधरी  
5. श्री साहब सिंह चौहान  
6. श्री पूरन चन्द योगी  
7. श्री जय भगवान  
§मुख्य मंत्री ने मामले में हस्तक्षेप किया§  
8. प्रो. जगदीश मुखी  
§शिक्षा मंत्री ने मामले में हस्तक्षेप किया§  
9. श्रीमती किरण वालिया  
10. श्री रूप चन्द

4.52 बजे

**ध्यानाकर्षण प्रस्ताव**

13. श्री सुभाष चोपड़ा ने प्रत्येक सड़क के चौराहों पर कुकरमुत्तों की तरह बढ़ते हुए भिखारियों के कारण उत्पन्न अस्त-व्यस्तता की वजह से दुर्घटनाओं और छीना-झपटी आदि की घटनाओं से उत्पन्न स्थिति की ओर समाज कल्याण मंत्री का ध्यान आकर्षित किया ।

समाज कल्याण मंत्री ने इस संबंध में एक वक्तव्य दिया ।

5.10 बजे

**उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव**

14. श्री दीप चन्द बन्धु ने निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत किया :-  
"कि यह सदन उपराज्यपाल द्वारा दिनांक 22 मार्च, 1999 को विधान सभा में दिये गये अभिभाषण के लिये उनके प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता है ।"

5.58 बजे

**अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था**

15. अध्यक्ष महोदय ने सदन को सूचित किया कि दिन के प्रारम्भ में प्रो. जगदीश मुखी द्वारा उठाये गये एक मामले के संबंध में, जो मुख्य मंत्री पर राष्ट्रीय ध्वज का तथाकथित अपमान करने के बारे में था, उनको मुख्य मंत्री की टिप्पणी प्राप्त हो गई है । अध्यक्षपीठ ने टिप्पणी की कि मुख्य मंत्री ने अपनी टिप्पणी में बताया है कि :-

"कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा स्नेहपूर्वक यह केक लाया गया था, जिसके एक कोने में राष्ट्र ध्वज बना हुआ था । मैंने दूसरे कोने से केक का एक छोटा सा टुकड़ा ही काटा था"

अपने वक्तव्य में मुख्य मंत्री ने यह भी कहा है कि :-

"कांग्रेस पार्टी और मेरे पूर्वजों ने इस ध्वज के लिये सैकड़ों कुर्बानियाँ दी हैं, जिसे वे अच्छी तरह से जानते हैं । इस राष्ट्र ध्वज जिसके लिये अनेकों कुर्बानियाँ दी गई हों, उसका अपमान करने का प्रश्न ही नहीं उठता ।"

अध्यक्ष महोदय ने व्यवस्था दी कि उपर्युक्त को दृष्टि में रखते हुए उन्हें लगता है कि जाने-अनजाने राष्ट्रीय ध्वज का मुख्य मंत्री द्वारा कोई अपमान नहीं किया गया है ।

अपराह्न 6.00 बजे

§सदन सोमवार, 5 अप्रैल, 1999 को अपराह्न 2.00

बजे तक के लिये स्थगित हुआ । §

दिल्ली,  
01 अप्रैल, 1999

एस.के.शर्मा  
सचिव



DELHI VIDHAN SABHA

Bulletin Part-I

(Brief Record of Proceedings)

Thursday, April 01, 1999/Chaitra 11, 1921 (Saka)

NO.12

2.00 PM

Pandemonium in the House

1. As the House assembled, the Opposition Members led by Prof. Jagdish Mukhi were on their feet displaying copies of some newspapers. They said that newspaper contains photograph showing the C.M. cutting a cake on the occasion of her birthday and the shape given to the cake was akin to that of National Tricolour. They demanded that C.M. should tender apology to the House for insulting the National Flag in this manner.

The Hon'ble Speaker ruled that since he has not read or seen that newspaper/ photograph, Prof. Jagdish Mukhi may write to him enclosing these clippings, whereafter he will call for the comments of the Chief Minister. Only thereafter he will be able to say anything in the matter.

The Opposition Members, however, kept shouting and continued to demand apology from the Chief Minister.

2.

Suspension of a Member

As Shri Harsharan Singh Balli continued to shout even when Hon'ble Speaker was on his legs, the Chair was constrained to ask him to leave the House.

2.18 PM

3.

Announcement by the Chair

Hon'ble Speaker announced that the election of Deputy Speaker would be held on 7-4-99 and as per Rule 9(2), Members can give their Motions in this regard to Secretary by 12 Noon on 6th April '99.

4.

Revocation of Suspension

Prof. Jagdish Mukhi urged the Chair to revoke the suspension of Shri Balli. Chief Minister also agreed with Prof. Mukhi and requested for revocation.

Hon'ble Speaker observed that since Leaders of both the parties agree, he has no objection to revoke the Member's suspension. Shri Balli, thereafter, took his seat in the House.

2.21 PM

Starred Questions

5. Starred Question Nos. 121 to 128 and Supplementaries thereto were orally asked and answers given.

Replies to Starred Question Nos. 129 to 140 were laid on the Table of the House.

Unstarred Questions

6. Replies to Unstarred Question Nos. 236 to 266 were laid on the Table of the House.

3.00 PM

7. On being permitted by the Chair, Shri Shoaib Iqbal drew the attention of the House to the highhandedness and charging of huge amounts from patients by Apollo Hospital authorities inspite of recommendations by the Health Minister.

Minister of Health made a statement in this regard.

3.20 PM

Motion

8. Shri Shish Pal moved the following motion:

"That this House resolves that since the post of Parliamentary Secretary in Delhi has come to be established by convention, therefore, the incumbent thereof may discharge the same duties and responsibilities as are being performed by his counterparts in the Parliament and other State Legislatures".

The following members expressed their views on the motion:

1. Prof. Jagdish Mukhi
2. Shri Sahab Singh Chauhan
3. Shri Deep Chand Bandhu
4. Dr. Harsh Vardhan
5. Shri Mukesh Sharma

Hon'ble Chief Minister also spoke on the motion.

The motion was put to vote and adopted by voice vote.

3.42 PM

9. Shri Mangat Ram Singhal moved the following motion:

"That this House agrees to the Second Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on 30th March,, 1999.

The motion was put to vote and adopted.



3.43 PM

Special Mention

10. Following Members raised matters under Rule 287:

1. Shri Nand Kishore Garg
2. Shri Mukesh Sharma

(Chief Minister intervened in the matter)

Resolution

With the permission of the Chair Shri Mukesh Sharma moved the following Resolution:

"That the Central Government may immediately withdraw the hike in the rate of wheat sold through Public Distribution System and the rates of wheat at Fair Price Shops be rationalised keeping in view the price in the open market and subsidy on sugar need not be done away with in the coming October and status quo be maintained".

The Resolution was put to vote and adopted.

Shri Sahab Singh Chauhan walked out in protest.

4.30 PM

Election of Members to Financial Committees

11. Hon'ble Speaker informed the House that after the expiry of time for withdrawal of names for elections to the three Financial Committees, viz. Public Accounts Committee, Estimates Committee and Committee on Govt. Undertakings, only 7 names in each of the three Committees are left. Hence there is no need for election as they are deemed to be elected unopposed. He also read out the names of elected members.

4.33 PM

Special Mention (Cont'd)

12. 3. Shri Mohan Singh Bisht
4. Shri Sushil Chaudhary
5. Shri Sahab Singh Chauhan
6. Shri Puran Chand Yogi
7. Shri Jai Bhagwan

(Chief Minister intervened in the matter).

8. Prof. Jagdish Mukhi

(Minister of Education intervened in the matter).

9. Smt. Kiran Walia
10. Shri Roop Chand

4.52

Calling Attention

12. Shri Subhash Chopra called the attention of Minister of Social Welfare to the situation arising out of the extreme nuisance created by mushrooming growth of beggars at every intersection of the road resulting in increased cases of accidents, snatchings etc."

Minister of Social Welfare made a statement in this regard.

5.10 PM Motion of Thanks on Lt. Governor's Address

13. Shri Deep Chand Bandhu moved the following motion:

"That this House expresses its heartfelt thanks to the Hon'ble Lt. Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the Legislative Assembly on the 22nd March, 1999".

5.58 PM

Ruling by the Chair

14. Hon'ble Speaker informed the House that he has received the comments of the Chief Minister about the so called disrespect to the National Flag - a matter which was raised by Prof. Jagdish Mukhi, early in the day. The Chair observed that the Chief Minister in her comments has stated:

"Some workers had brought this cake out of affection, in the one corner of which the replica of the National Flag had been designed. I had only cut a small piece of cake from the other end".

In her statement the C.M. also added: "the Congress Party and my forefathers have made hundreds of sacrifices for this very Flag and this is known to them. There is no question of showing disrespect to the National Tricolour for which so many sacrifices have been made".

The Chair, therefore, ruled that in view of the above, he feels that the Chief Minister has not dishonoured the National Flag knowingly or unknowingly.

6.00 PM (The House was adjourned till 1400 hours on Monday, April 5, 1999).

S.K. SHARMA  
SECRETARY

DELHI

April 1, 1999